सादा फाइबर झोला (सपिङ्ग ब्याग) चाहिएमा सम्पर्क गर्नुहोला ।

प्रो. टीकाराम चौधरी
शुभम् कम्प्युटर एण्ड स्क्रीन पिन्ट
धनगढी, बसपार्क (निकासरोड)
मोबाइल नम्बर:
९८०४६१३८३९, ९८६८७७१५४८

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

सामाजिक सञ्जालको प्रयोग गर्दा सावधानी अपनाऔं, सामाजिक मर्यादाको ख्याल गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २१ अंक १८८ वि.सं. २०८० माघ १६ गते मंगर थारु सम्वत (२६४७) [Tuesday 30 January 2024] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

भल्मन्साके नेतृत्व सम्हरटी महिला

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १५ धनगढी । भल्मन्सा प्रथा थारु समुदायके पहिचानके रुपमे रहल बा । हरेक बर्षके माघ महिनामे गाउँक नेतृत्वकर्ताके रुपमे थारु समुदायसे भल्मन्सा छनौट करटी आइल बटै । माघ महिनामे छनौट कैना भल्मन्साके जिम्मेवारी प्राय पुरुषहे डेटी आइल डेखगिल बा । मने महिलाफे भल्मन्साके भूमिका निभाई सेक्ठै कहिके अब्बे नेतृत्वमे आइलागल बटै ।

धनगढी उपमहानगरपालिका–११ बाँसखेरा गाउँमे एक बरस भल्मन्सा खेलासेकल गीता चौधरीहे गाउँसमाजसे विश्वास करके यी बरसके भुरा खेलसे फेरसे भल्मन्सा बनैले बा ।

माघ मनासेकलपाछे एक दिन भुरा खेल हुइठ । ओम्ने एक बरसके समिक्षा कैजाईठ । लिखनदार, धनहेरवा अपने जिम्मेवारी अनुसार हुइल करल प्रगति सुनैठै । गाउँ समाज अपन मनमे लागल बाट धरठै । जिहीहे खोज्नीबोजनीफे कहिजाइठ । ओकरपाछे भल्मन्सासे अपन बाट रख्टी कोई लौव मनै भल्मन्सा खेलाई कलेसे अपन अपन प्रस्ताव रख्ना आहवान करठै ।

भल्मन्सा कहलेक विना तलबके निस्वार्थ भावनासे गाउँसमाजके विकासके लाग काम करे परठ । उहे ओरसेफे सायद हुई सेकठ भल्मन्साके जिम्मेवारी लेनामे बहुट जैसिन गाउँमे लौवा व्यक्ति तयार नइहुइठै । भलमन्सासे वर्ष दिनमे करल मजा नइमजा कामके मूल्याङकन करके गाउँमे नयाँ भलमन्सा छनौट करठै । पुरान भल्मन्सासे वर्ष दिनसम गाउँके मनैनमे समान न्याय ओ व्यवहार प्रकट करल कना निष्कर्ष अइलेसे पुराने भलमन्साहे निरन्तरता डेना चलन बा ।

बाँसखेराके भल्मन्सा गीता चौधरीके एक बरसके कार्यकाल मजा रहल ओ सक्कु जानेक मन जिटके काम करल कहटी यी बरस फेरसे भल्मन्सा बनाइल बाँसखेराके पूर्व भल्मन्सा तथा धनगढी उपमहानगरपालिका स्तरीय भल्मन्सा समितिके अध्यक्ष रोहित चौधरी बटैलै ।

उहाँ कहलै, 'गीता चौधरी यी बरस फेरसे भल्मन्सा बन्ली मने गाउँ समाजसे हुकहिनहे तीन बरसके लाग भल्मन्साके जिम्मेवारी डेना निर्णयफे करले बा ।'

धनगढी उपमहानगरपालिका वडा नं. १५ कन्द्री गाउँके नयाँ नेतृत्व चयन हुइ बेला गाउँक नयाँ इतिहास रच्टी भल्मन्सामे असरानी चौधरी ओ सचिवमे लक्ष्मी चौधरी सर्वसहमतसे निर्वाचित हुइल बटी । कन्द्री गाउँमे अभिनसम पुरुष मनै केल भल्मन्सा बनल मने यी बरस असरानी चौधरी पहिल चो भल्मन्सा बनल स्थानीय मनोज चौधरी बटैलै ।

ओस्टेक करके कैलालीके घोडाघोडी नगरपालिका वडा नम्बर १२ कोटा गाउँमे इन्द्रा चौधरी पहिल महिला भलमन्सा बन्के इतिहास रच्ले बटी । कोटा गाउँमे आयोजित भुरा खेलसे उहाँहि भलमन्सामे छनौट करले बा ।

ओस्टे कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ४ मे सबसे टोल रहल 'के गाउँ' ५ जाने महिलाहुक्रे भल्मन्साके जिम्मेवारी पैले बटै । यी बरस वडा नम्बर ४ मे पर्ना अमर टोलके भल्मन्सा गणेशकुमारी चौधरी बन्ली । भल्मन्साके जिम्मेवारी पाइलपाछे अपनहे खुशी लागल बटैठी । उहाँ कहली, 'हमार टोलमे १४/१५ घरभुरी बा । यी बरस महिहे जिम्मेवारी डेहल बा । मै गाउँठाउँके विकासके योगदान कैना प्रयास करम ।' उहाँ जीवन सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहके अध्यक्षफे रहल बटी ।

ओस्टेक यिहे माघ महिनामे गाउँक भुरा खेलसे यी बरसके लाग शिवकुमारी चौधरीहे बजहन्या टोलके भल्मन्सामे जिम्मेवारी सौपटल बा । २५ घरपरिवार रहल यी टोलमे भल्मन्सा बन्ना अवसर डेहलपाछे गाउँसमाजके चाहना अनुसार काम कैना उहाँ बटैठी । मिलन सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहमे चार बर्ष अध्यक्ष खेलैना मौका भेटाइल बटैटी यी बरसके भुरा खेलसे अपनमे जिम्मेवारी डेहल शिवकुमारी बटैठी ।

वडा नम्बर ४ स्थित कान्छा टोलमे यिहीसे पहिले भल्मन्सा खेलासेकल गौरी चौधरी अशौक साल फेरसे भल्मन्सा बनल बटी । उहाँ कहली, ' पहिले मै एक चो गाउँक भल्मन्सा बनलसेकल बटुँ । यी बरसके भुरा खेलसे फेरसे महीहे गाउँ चलैना जिम्मेवारी डेले बा ।

ओस्टेक करके वडा नम्बर ४ स्थित पूर्व खेडा टोलके भल्मन्सामे विनिता चौधरी ओ शान्ति टोलके भल्मन्साके जिम्मेवारी उजेलीदेवी कामीहे डेगिल कैलारी गाउँपालिकास्तरीय भल्मन्सा समितिके संयोजक सन्तराम चौधरी बटैलै । उहाँ कहलै, 'कैलारी गाउँपालिकामे नौ ठो वडा बा । गैलक वडा नम्बर ४ मे केल सात जाने महिला भल्मन्सा रहिट । थारु समुदायमे माघ महिना भर लौव नेतृत्व छनौट कैना करल ओरसे यी बरस भल्मन्साके संख्या एकिन करे नइसेक्गिल हो ।'

भल्मन्सासे भोजभटेर, कुलाही बेगारी, मरनीकरनी ओ केक्रे दुख परल बेला हो वा गाउँमे हुइल भै झडरा, विवाद मुद्दा मामिलामे निस्वार्थ भावनासे अपन जिम्मेवारी निभैना काम करटी आइल बटै ।

गरिमा प्राविके तीन कोठे पक्की भवनके शिलान्यास

पहुरा समाचारदाता
हसुलिया, १५ माघ । कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर ४ स्थित गरिमा प्राविके तीन कोठे पक्की भवनके शिलान्यास कैगिल बा ।

कैलारी गाउँपालिका ओ विल्ड अन नेपालके संयुक्त लगानीमे निर्माण हुइटी रहल तीन कोठे विद्यालय भवन ओ २ कोठे शौचालय भवनके शिलान्यास गाउँपालिका अध्यक्ष राजसमझ चौधरी एक समारोहके विच करल रहिट ।

कार्यक्रममे सम्बोधन करटी उहाँ वडा नम्बर ४ स्थित खल्ला टोल 'के गाउँ' मे दलित, सुकुम्बासी, मुक्तकमैयाके बसोबास रहल ओ अपन पहलमे यी विद्यालयके स्थापना हुइल बटैलै । उहाँ कहलै, 'मै पहिले एक ठो शिक्षक पेशामे रहेबेर यी विद्यालयहे जोगाइक लाग अपन तलबसे सहयोग करनु । एक ठो छोपरीसे यी विद्यालयहे सुरुवाट कैगिल रहे । अपन पहलमे भवन बन्वैनु । अब्बे बने सुरु करल भवन बनलपाछे शिक्षण क्रियाकलापमे सुधार हुई सेकी ।'

पहिले बनल भवनमे जनश्रमदान ढेर रहल मने अब्बे मनै अल्छी हुके जनश्रमदान करे छोरल उहाँ बटैलै । वडा नम्बर ४ स्थित खल्ला टोलमे विकासके सुरुवाट हुसेकल कहटी उहाँ मुख्य सडक पीचके लाग काम हुइटी रहल बटैलै ।

कार्यक्रममे विल्ड अन नेपालके इन्जिनियर मनोज चौधरी उ भवन निर्माणके लाग गाउँपालिकासे ७ लाख, विल्ड अन नेपालसे ३० लाख ओ समुदायके जनश्रमदान ६ लाख ८४ हजार ४१४ रुप्या रहना जनैले बटै । यी भवन यिहे माघ १५ गतेसे बने सुरु हुके २०८१ जेठ ५ गते सम्पन्न हुइना उहाँ जनैलै ।

कार्यक्रममे विद्यालयके शिक्षिका तथा परियोजना नेतृत्व समिति अध्यक्ष मञ्जु सोडारी, निवर्तमान कार्यपालिका सदस्य राजेश सुनार, कार्यपालिका सदस्य लालबहादुर विका लगायत मन्तव्य व्यक्त करल रहिट ।

कार्यक्रम विद्यालय व्यवस्थापन समिति अध्यक्ष भीमबहादुर तिरुवाके अध्यक्षतामे हुइल रहे । कार्यक्रममे वडा नम्बर ४ के वडा अध्यक्ष ठागुराम चौधरी, वडा नम्बर ३ के वडा अध्यक्ष सन्तराम चौधरी, विद्यालयके प्रअ चम्पा चौधरी, वडा सदस्य लक्ष्मी चौधरी, सुवा परियार, विल्ड अन नेपालके फिल्ड सुपरभाइजर शिवराज रानालगायत शिक्षक, शिक्षिका, स्थानीय बुद्धिजिवी, अभिभावकहुकनके सहभागिता रहे । कार्यक्रमके संचालन धनबहादुर ठकुल्ला करले रहिट ।

सुदूरपश्चिममे ५ हजार ढेर मुक्त कमैया

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १५ माघ । मुक्त कमैया, हलिया तथा कमलरीहुक्रनके आव २०७५/२०७६ से रोकल पुनर्स्थापना तथा भरणषोषणके कार्य आघ बहैना तयारी करल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशस्थित मुक्त कमैया, हलिया ओ कमलरीहुक्रनके पुनर्स्थापनाके कार्यहे सुदूरपश्चिम सरकारसे आघे बहैना तयारी करल हो ।

प्रदेश सरकारसे मुक्त कमैया, हलिया तथा कमलरी पुनर्स्थापना कार्यविधि २०८० लानके पुनर्स्थापना कार्य आघे बहैना तयारी करल हो । मुक्त कमैया समाजके अध्यक्ष पशुपति चौधरी कार्यविधिके मस्यौदा निर्माण होके थप प्रक्रियाके लाग आर्थिक मामिला ओ भूमि व्यवस्था कृषि तथा सहकारी मन्त्रालयमे पेस हुइल जानकारी डेलै ।

मस्यौदा निर्माण कार्यदल सदस्य समेत समाजके अध्यक्ष चौधरी कार्यविधि पारित हुइलपाछे ५ बरस यहोर रोकल पुनर्स्थापनाके कार्य सार्थकता पैना आशा व्यक्त करलै ।

मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह कार्यविधि शीघ्र पारित कैके कार्यान्वयनमे लैजैना प्रतिबद्धता जनाइल चौधरी सुनैलै । कार्यविधि आइलपाछे सुदूरपश्चिमके कैलाली ओ कञ्चनपुर जिल्लास्थित ३३ सय ढेर मुक्त कमैया, कमलरी ओ प्रदेशके टमान जिल्लास्थित हजारौँ मुक्त हलिया पुनर्स्थापना हुइना डगरा खुल्ना हइल हो ।

समाजके अध्यक्ष चौधरीके अनुसार कैलालीमे आभिन १५ सय ओ कञ्चनपुरमे ७५० छुट मुक्त कमैया रहल बाटै । ओइनके लगत संकलन ओ प्रमाणीकरण बाँकी रहल बा ।

ओस्टके, कैलालीमे हालसम जमिन पैना बाँकी ९५३ जाने कञ्चनपुरमे १२९ जाने मुक्त कमैया रहल बाटै । ओस्टके औरे कार्यदल सदस्य तथा राष्ट्रिय मुक्त हलिया समाज महासंघ नेपालके केन्द्रीय अध्यक्ष ईश्वर सुनारके अनुसार सुदूरपश्चिममे आभिन २ हजार मुक्त हलियाहे पुनर्स्थापना कैना बाँकी रहल जानकारी डेलै ।

मस्यौदा कार्यविधि अनुसार सम्बन्धित स्थानीयसे छुट मुक्त कमैया, कमलरी ओ हलियाहुक्रनके लगत संकलन कैना बा । जेकर प्रमाणीकरण समेत स्थानीय तहमार्फत प्रमाणीकरण होके प्रदेश सरकारमार्फत परिचयपत्र वितरण हुइना व्यवस्था करे लागल हो । जग्गा नैपाइल तथा लालपुर्जा नैपाइलहे बैठल स्थानमे जग्गा उपलब्धताके कार्य भूमि आयोगसे हुइटी रहल प्रदेश सरकार ओ स्थानीय तहके लागत साझेदारीमे आवास निर्माणके व्यवस्था हुइना कार्यविधिमे उल्लेख रहल बा ।

कार्यविधि अनुसार परिचय प्राप्त करुइयाहे साढे ३ लाख आवास निर्माण अनुदान डेना हुइल बा । जेम्ने प्रदेश ओ स्थानीय तहके ५०/५० प्रतिशत दायित्व रहना कार्यविधि मस्यौदामे समावेश करल समाजके अध्यक्ष चौधरी बटैलै ।

जेकर लाग प्रदेश सरकारसे चालु आर्थिक बरसमे १ करोड बजेट विनियोजन करले बा । कार्यविधिसे आवास निर्माण अनुदान वितरणसँगे उ लक्षित समुदायके शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारीलगायत जिविकोपार्जनमे टेवा पुग्ना आशा व्यक्त करल बा ।

पुस्तौँसे बँधुवा मजदुर सरह जीवन बिटैटी आइल दाङ, बाँके, बर्दिया, कैलाली ओ कञ्चनपुर जिल्लास्थित हजारौँ–हजार मुक्तकमैयाहे तत्कालीन *(बाँकी ३ पेजमे)*

धुम्रपान र मद्यपान नगरौं, स्वस्थ जीवन बाँचौं

- धुम्रपान र मद्यपानले जाडो घट्ने वा हट्ने होईन।
- यसले मुटु, दम, श्वासप्रश्वास, क्यान्सरजस्ता दीर्घकालीन रोग लाग्न सक्छ।
- आफू, परिवार तथा समाजका अन्य व्यक्तिलाई त्यस्तो कुलतमा फस्न नदिऔं।
- कुलतमा रहेकाले त्याग्ने प्रण गरौं।
- यसले तपाई र तपाईको परिवारलाई असर पुऱ्याउँछ।

त्यसैले,
धुम्रपान र मद्यपान नगरौं, स्वस्थ जीवन बाँचौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

अनौपचारिक अर्थतन्त्रके प्रभाव

विचार
जुनारबाबु बस्नेत

देशके अर्थतन्त्रप्रति सबओरसे चास ओ चिन्ता बह्रल बेला अनौपचारिक अर्थतन्त्रबारे नयाँ अध्ययन बाहेर आइल बा । यी अध्ययनसे नेपालमे अनौपचरिक अर्थतन्त्रके अंश व्यापक देखाइल बा । राज्यके निकायमे कहुँ दर्ता नैरहल अर्थतन्त्र अनौपचारिक अर्थतन्त्र हो । अइसिन अर्थतन्त्र लेखापद्धतिमे नैडेखाइठ । अनौपचारिक अर्थतन्त्रमे काम करना श्रमिक सामाजिक सुरक्षाके घेराभित्तर नैपरठ टब फेन अनौपचारिक अर्थतन्त्र सक्कु रूपमे गैरकानुनी अर्थतन्त्र भर नैहो तथापि अनौपचारिक अर्थतन्त्रमे गैरकानुनी ओ तस्करी जस्टे अर्थतन्त्रके कुछ विकृतिसमेत परठ । अइसिन अर्थतन्त्र लेखा पद्धतिमे नैसमोटना रहल ओरसे यथार्थ तथ्यांक फेन नैमिलठ । अइसिन अर्थतन्त्रसे सरकारहे राजस्व फेन प्राप्त नैहुइठ । अत्रे किल नैहोके, अनौपचारिक क्षेत्रमे काम करना श्रमिकहे सामाजिक सुरक्षा प्राप्त नैहोके श्रमिक शोषण, दमन ओ अन्यायमे समेत परे सेकठ । अत्र रटिरटि फेन अनौपचारिक क्षेत्रके अर्थतन्त्रसे सामान्य रोजगारीमे योगदान डेले रहठ । कुछ अवस्था स्वरोजगारीसमेत डेहल रहठ ।

नेपालके अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश कुल अर्थतन्त्रमध्ये ४२.६६ प्रतिशत देखाइल बा । नेपाल राष्ट्र बैंकके सहयोगमे त्रिभुवन विश्वविद्यालयके अर्थशास्त्र केन्द्रीय विभागसे हाले करल अध्ययनमे अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश उच्च डेखाइल प्रतिवेदन आइल हो । अध्ययनसे सन् २०१०/११ से २०२०/२१ समके १० वर्ष अवधिके अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अध्ययन समोटल बा । अनौपचारिक अर्थतन्त्रके प्रवृत्ति सब वर्षमे समान डेखाइल नैहो । बरु अर्थतन्त्रके आकार बह्रके अनौपचारिक अर्थतन्त्रके आकार फेन थप बह्रल बा । अर्थतन्त्रके आकार बह्रके जाँदा अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश विकसित मुलुकमे भर घटठ मने नेपालमे भर अइसिन प्रवृत्ति डेखाइल नैहो ।

यम्ने छोट नमुना हेरे सेकजाइ । राष्ट्रिय लेखा विधिके आधारमे आर्थिक वर्ष सन् २०१८/१९ मे ३७.६० प्रतिशत रहल अनौपचारिक अर्थतन्त्र यीलगत्ते सन् २०१९/२० मे बह्रके ३९.१० प्रतिशत पुगल बा । समग्र दशकके अध्ययनमे अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश भर उच्च, ४२ प्रतिशत हाराहारी डेखाइल बा । अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश ४० प्रतिशतसे ढेर रना सन्तोषके विषय नैहो । अर्थतन्त्र आधुनिकीकरण हुइलसँगे क्रमशः घटनामे नेपालमे भर अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश भर बह्रल बा । अर्थतन्त्रके अनौपचारिक क्षेत्र बह्रके राजस्व लक्ष्य अनुसार नैउठ्ना प्रवृत्ति डेखाइल बा । गैल आर्थिक वर्षमे गैल आधा शताब्दीमे पहिलचो नेपालके राजस्व वृद्धिदर ऋणात्मक हुइल रहे । अर्थतन्त्रके एक तिहाइ अंश अनौपचारिक रहि टे कैसिक लक्ष्य अनुरूप राजस्व उठि ? यी गम्भीर विषयसमेत हो ।

प्रतिवेदन अनुसार क्षेत्रगत रूपमे सबसे ढेर घरजग्गा क्षेत्र अनौपचारिक रूपमे सञ्चालन हुइल पाजाइठ । यी क्षेत्र करिब सक्कु रूपमे अनौपचारिक रहल तथ्य प्रतिवेदन सार्वजनिक करल बा । घरजग्गासम्बन्धी कारोबार व्यक्तिगत रूपमे हुइना हुइल ओरसे कारोबार फेन सरकारी मूल्यसे फरक रहठ । सेवा क्षेत्रके रूपमे गणना हुइना व्यक्तिगत घरके योगदान मूल्यांकन नैहुइना हुइल ओरसे समेत यी क्षेत्र करिब पूर्ण अनौपचारिक डेखाइल बा । यी क्षेत्रके लगभग ९९ प्रतिशत अनौपचारिक डेखैना अनौठो बा । यी क्षेत्रमे वार्षिक अर्बौं नैहोके, खर्बौं कारोबारके ढेर जैसिन अंश अनौपचारिक रहठ । लिखत पारित करना सामान्य काम किल औपचारिक हुइठ ओ उ फेन एकडम न्यून थैलीमे करजाइठ कना जानकारी सर्वसाधारण कोइसे नुकल छिपल नैहो ।

घरजग्गा क्षेत्रपाछे कृषि, वन तथा माछापालन क्षेत्र ९६.४८ प्रतिशत अनौपचारिक बा । कृषि क्षेत्र प्रायः अभिन अनौपचारिक रहल डेखाइठ । आवास ओ खाद्य सेवा गतिविधिमे ५०.४२ प्रतिशत, कला तथा मनोरञ्जन क्षेत्रमे ३३.६९ प्रतिशत, उत्पादन क्षेत्रमे १६.३६ प्रतिशत, निर्माण क्षेत्रमे १६.२६ प्रतिशत, विद्युत् तथा ग्यास आपूर्ति क्षेत्रमे १४.९९ प्रतिशत अनौपचारिक बा । अस्टेक थोक तथा खुद्रा क्षेत्रमे १४.८७ प्रतिशत अनौपचारिक अर्थतन्त्रके हिस्सा रहल तथ्य सन्तोषजनक नैहो । सबसे कम अनौपचारिक अर्थतन्त्रके हिस्सा रहल क्षेत्रमे प्रशासन तथा सहायता सेवा गतिविधिमा शून्य प्रतिशत बा कलेसे सूचना तथा सञ्चार क्षेत्रमे ०.१३ प्रतिशत रहल बा । शिक्षा क्षेत्रमे ०.१९ प्रतिशत, स्वास्थ्य ओ समाजसेवा क्षेत्रमे ०.३३ प्रतिशत अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश बा । समृद्धि हासिल करना ढिरेसे अर्थतन्त्रहे औपचारिक बनैटि लैजाइ परना चुनौती देखा परल बा ।

विश्वमे अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश शून्य भर हुइ सेकल नैहो । संयुक्त राज्य अमेरिकाके अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश ७.३ प्रतिशत रहल बा । छिमेकी मुलुक चीनके १२.७ प्रतिशत रहल बा । भारतमे अनौपचारिक अर्थतन्त्र अंश ढेर रलेसे फेन यकिन तथ्यांक नैहोके वहाँक सरकारी निकाय स्वीकार नैकरठ । विकासशील मुलुकमे अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश ढेर हुइना करठ कलेसे विकसित मुलुकके अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश न्यून रहठ । विकासशील मुलुकमे अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश औसतमे ३० से ३५ प्रतिशत हुइना करठ ।

नेपालमे भर अनौपचारिक अर्थतन्त्रके अंश ढेर डेखाइल ओ उहिनहे औपचारिक क्षेत्रमे समावेश करेपरना चुनौती बा । यी चुनौती सरकार ओ खास कैके अर्थ मन्त्रालयके डेखाइल बा । भारी अंशमे अनौपचिरिक अर्थतन्त्र होके राजस्वके साथे अर्थतन्त्रके ढेर आयाममे प्रभाव पारल रहठ । अइसिन कुछ प्रभाव नकारात्मक रहठ । न्यून राजस्व उठ्नासे लेके कुछ तस्करीमे आधारित अर्थतन्त्र फेन अनौपचारिक अर्थतन्त्रके प्रतिनिधित्व करटि रहठ । तस्करीमे प्रवृत्तिके अर्थतन्त्रके टे अध्ययन अनुसन्धान फेन चुनौतीपूर्ण रहठ ।

कृषि क्षेत्रमे अनौपचारिक अर्थतन्त्र स्वाभाविक रहठ, नेपालमे फेन कृषि क्षेत्रमे उच्च डेखाइल बा । नेपालके कृषि अर्थतन्त्र घरेलु तहमे निर्भर बा । परिवारसे सञ्चालन करल अर्थतन्त्रमे राज्यसँग जोरल नैरहठ, कहुँ दर्ता फेन नैरहठ । घरपरिवार किल काम करटि रहल ओरसे वहाँ व्यापार व्यवसायओर फेन चास नैरहठ । अपन उत्पादन करना ओ अप्ने उपभोग करना हजारौँ वर्षसे चलटि आइल कृषिक्षेत्र एक्काइसौँ शताब्दीमे फेन जारी रहना अनौठो विषय हो । देशमे तीन तहके सरकार बा, कृषिप्रधान देश हो मने यहैं कृषि अभिन फेन व्यापक क्षेत्रमे अनौपचारिक रहना विकास ओ समुन्नतिओर जैना अवरोध फेन हो । टबेमारे हमार कृषि क्षेत्र बाँझ हुइल बा कलेसे जनशक्ति देश छोरटैं ।

सरकारके नीति ओ अस्थिरताके कारण फेन अनौपचारिक अर्थतन्त्र व्यापक हुइटि गैल बा । कुछ क्षेत्रमे सरकारके कर ढेर रहल कारण फेन अपन पेसा ओ व्यवसायहे औपचारिक क्षेत्रमे नाने नैचाहल प्रवृत्तिसमेत बा । सरकारसे करके दर नैहोके, दायरा बढाके अर्थतन्त्रहे औपचारिक क्षेत्रमे सवावेश करे परठ । औपचारिक अर्थतन्त्रसे समग्र कारोबारहे संस्थागत करठ, राजस्वके दायरामे अर्थतन्त्र आइठ कलेसे राज्यहे सशक्त ओ प्रभावकारी बनैना फेन औपचारिक अर्थतन्त्रसे सहयोग पुगाइठ ।

अनौपचारिक अर्थतन्त्र विस्तार हुइनामे कुशासन फेन प्रत्यक्ष जोरल रहठ । अब्बे कर प्रणालीमे जोरल छोट तथा मझौला व्यवसाय करउप्पर करसे थिचल, प्रशासनिक झन्झटमे बा कलेसे करसे बाहेर रहल व्यवसाय भर मजासे फस्टाइल रहठ । सुशासन अभिन मृगतृष्णा बा । अध्ययनके नेतृत्वकर्ता प्राडा शिवराज अधिकारीके अनुसार अनौपचारिक अर्थतन्त्रसे समेत समग्र अर्थतन्त्रमे योगदान भर डेले रहठ मने उ लेखामे नैआइठ । अनौपचारिक अर्थतन्त्रसे लचिलो कैके श्रमिक आपूर्ति करटि रहठ । कुछ अवस्थामे बैंक तथा वित्तीय क्षेत्रमे उच्च ब्याजदर हुइलेसे फेन अनौपचारिक अर्थतन्त्र फस्टाइठ ।

अनौपचारिक अर्थतन्त्रहे औपचारिक क्षेत्रमे नन्ना सरकारके मुख्य दायित्व हो । खास कैके देशके तीन तहके सरकारके मुख्य दायित्व हो । कृषि क्षेत्रहे औपचारिक अर्थतन्त्रके दायरामे नन्ना स्थानीय तहके सरकारके मूल दायित्व रहठ । करके हिसाबसे किल नैहोके, सामाजिक सुरक्षाका दृष्टिसे समेत अर्थतन्त्रहे मूल दायरामे नन्ना जरुरी रहठ । सरकारके सहयोग आवश्यक रहल पेसा तथा व्यवसायहे राज्यसे सहयोग करना फेन अर्थतन्त्रहे औपचारिक बनैना आवश्यक रहठ । सीमामे हुइना तस्करीसे विमानस्थलके सुन प्रकरण सब अनौपचारिक अर्थतन्त्रमे आइठ । सुशासन नैहोके आइसिन विकृति प्रवृत्ति डेखाइल हो ।

देशके कुछ नीति मजा रलेसे फेन कार्यान्वयनमे भारी समस्या बा । समग्र अर्थतन्त्रहे औपचारिक क्षेत्रमे नन्ना सुशासन पहिल सर्त हो । सरकार ओ प्रशासन नागरिकके मालिक नैहोके, सेवक होके उपस्थित हुइ परठ । दोसर, अनौपचारिक क्षेत्र भारी रना कलेक गरिबी बह्रना फेन हो । अनौपचारिक क्षेत्रमे रहल निरीह श्रमिकहे सरकारसे चाहलेसे फेन सहयोग करे नैसेकठ । औपचारिक क्षेत्रमे आके महिनहे, मोर पेसा व्यवसायहे ओ राज्य सबहे मजा हुइ कना मान्यतासे काम करे परल । यिहिनसे गरिबी न्यूनीकरणमे सहयोग पुगि । तेसर, औपचारिक अर्थतन्त्रके दायरमे प्रवेश करल कर तिरना मोर दायित्व हो कना वातावरण तयार करे परल । चौठा, नीतिगत स्थिरता आवश्यक बा । सरकारपिच्छ ओ मन्त्रीपिच्छे नीति परिवर्तन हुइना प्रवृत्ति फेन बा । यम्ने सुधार करना आवश्यक बा । स्थिरतासे औपचारिक अर्थतन्त्रके दायरा बह्रैना सहयोग पुगि ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

देशके कुछ नीति मजा रलेसे फेन कार्यान्वयनमे भारी समस्या बा । समग्र अर्थतन्त्रहे औपचारिक क्षेत्रमे नन्ना सुशासन पहिल सर्त हो । सरकार ओ प्रशासन नागरिकके मालिक नैहोके, सेवक होके उपस्थित हुइ परठ । दोसर, अनौपचारिक क्षेत्र भारी रना कलेक गरिबी बह्रना फेन हो । अनौपचारिक क्षेत्रमे रहल निरीह श्रमिकहे सरकारसे चाहलेसे फेन सहयोग करे नैसेकठ । औपचारिक क्षेत्रमे आके महिनहे, मोर पेसा व्यवसायहे ओ राज्य सबहे मजा हुइ कना मान्यतासे काम करे परल । यिहिनसे गरिबी न्यूनीकरणमे सहयोग पुगि । तेसर, औपचारिक अर्थतन्त्रके दायरमे प्रवेश करल कर तिरना मोर दायित्व हो कना वातावरण तयार करे परल । चौठा, नीतिगत स्थिरता आवश्यक बा । सरकारपिच्छ ओ मन्त्रीपिच्छे नीति परिवर्तन हुइना प्रवृत्ति फेन बा । यम्ने सुधार करना आवश्यक बा । स्थिरतासे औपचारिक अर्थतन्त्रके दायरा बह्रैना सहयोग पुगि ।

योजना कार्यान्वयन अभिमुखीकरण तालिम

पहुरा समाचारदाता
हसुलिया, १५ माघ । योजना उपभोक्ता समितिके पदाधिकारीहुकनहे योजना कार्यान्वयन सम्बन्धी एक दिने अभिमुखीकरण तालिम डेहल बा ।

कैलारी गाउँपालिकाके आयोजनामे वडा नम्बर ३ मे संचालित योजनाके उपभोक्ता समितिके पदाधिकारीहुकनहे योजना कार्यान्वयन सम्बन्धी एक दिने तालिम सोम्मारके रोज टिसिएनमे डेगैलक योजना शाखा प्रमुख सन्तोषकुमार चौधरी बटैलै ।

यिहे आर्थिक बर्षमे सम्झौता हुइल योजनाके उपभोक्ता समितिके पदाधिकारी (अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्षहुकनहे तालिम डेहल उहाँ बटैलै ।

तालिममे योजनाके भुक्तानी प्रक्रिया, बजेट निर्माण, बस्ती भेला, योजना छनौट प्रक्रिया, समयमे योजना सम्पन्न कैना प्रक्रिया, कौन रकम फ्रिज जैना, *(बाँकी ३ पेजमे)*

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना।

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ७ कित्ता नं. ५४३ क्षेत्रफल ११८.५२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री पदमाकुमारी शाहुले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्वः शारदाप्रसाद राना — पश्चिमः सडक
उत्तरः चन्द्र भाट — दक्षिणः जानकी सिंह

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना।

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ४ बोराडाँडी कित्ता नं. ७१४ क्षेत्रफल ११८.९३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री हर्कबहादुर विष्टले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्वः सडक — पश्चिमः डाकिया राना
उत्तरः नारायणप्रसाद जोशी — दक्षिणः भज्जी राना

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सञ्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजकः

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
वैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लगे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०४६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहुरी
अञ्चल प्रहुरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहुरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहुरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहुरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहुरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहुरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२७८५४
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२९२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्यामपस ०९१-५२१२३३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्यामपस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

विद्युत् विधेयकमे उत्पादकके असन्तुष्टि

काठमाडौं, १५ माघ । विद्युत् विधेयक २०८० मे निजी क्षेत्र असहमति जनैले बा । संसद्के पूर्वाधार विकास समिति अन्तर्गतके ऊर्जा, जलस्रोत तथा सिँचाइ उपसिमितिमे करल छलफलमे स्वतन्त्र ऊर्जा उत्पादकके संस्था (इप्पान) के प्रतिनिधि तथा अन्य सरोकारवालासे उ विधेयकसे २०४९ के विधेयक संशोधन कैके उपयुक्त हुइना सुझाव डेलैं ।

प्रस्तावित विधेयक, २०८० के प्रावधान २०४९ के विद्युत् ऐनसे फेन पश्चगामी रहल कटि इप्पानके अध्यक्ष गणेश कार्की अब्बेक विधेयक निजी क्षेत्रहे और प्रताडित करना उद्देश्यसे नानल आरोप लगैलैं । उहाँ विद्युत् उत्पादकसे १४ ठो मन्त्रालय ओ दुई सयसे ढेर टेबलमे धाइपरना बाध्यताहे अन्त्य करना मेरिक ऊर्जा मन्त्रालयमे शक्तिशाली एकद्वार प्रणालीके व्यवस्था माग करलैं । "४५ लाख जनताके लगानी रहल ओ १३ खर्ब रुपैयाँ लगानी होसेकल निजी क्षेत्रहे तहसनहस बनैना अभिप्रायसे विद्युत् विधेयक नानल हो," उहाँ कलैं, "यकर प्रावधानसे पुरान ऐन ठिक डेखाइल ।" इप्पानके ओरसे प्रस्तुतीकरण करटि इप्पान उपमहासचिव प्रकाश दुलाल २०४९ के विद्युत् ऐनसे निजी क्षेत्रहे आयोजनाके पहिचान ओ विकास करना अधिकार डेहलमे अब्बेक विधेयकके दफा ५ से ओकर ढोका बन्द करल बटैलैं । ओकर सट्टा सरकारी निजी सब कम्पनी प्रतिस्पर्धाके आधारमे आयोजना लेहेपरना व्यवस्था करेपरना उहाँके सुझाव रहे ।

विधेयकसे जलविद्युत् क्षेत्रमे सिन्डिकेट कायम करना ओ नयाँ लगानीकर्ताहे हतोत्साही परना प्रावधान रहल उहाँक कहाइ रहे । आयोजना निर्माण आगे सरकारहे भारी परिमाणमे रकम ओ सुविधा डेहेपरना अवस्था सिर्जना कैके जलविद्युत्के उत्पादन लागत महँगा पारे खोजल उहाँक कहाइ रहे । "यहाँके प्रावधानसे स्वदेशी उपभोक्ताहे विद्युत् महँगा हुइठ ओ अन्तर्राष्ट्रिय बजारमे प्रतिस्पर्धा करे सेक्ना अवस्था फेन नैहुइ," उहाँ कलैं । विद्युत् विधेयकके प्रावधानसे विद्युत्के उत्पादन लागत सस्ता बनल, रोजगारी बह्रैना, आन्तरिक अर्थतन्त्रमे योगदान डेना विषय समोटेपरनामे अब्बेक विधेयकसे लाइसेन्स बेचके देशहे धनी बनैना उल्टा सपना डेखाइल दुलालके टिप्पणी रहे । उहाँ प्रस्तावित विधेयक हटाके पुराने ऐनमे विद्युत् व्यापारमे निजी क्षेत्रहे अनुमति डेना व्यवस्था करना उपयुक्त हुइना सुझाव डेलैं । जौनफेन क्षमताके रलेसे फेन जलविद्युत् आयोजनाके अनुमति संघसे डेहेपरना ओ उबापतके रोयल्टी भर स्थानीय ओ प्रदेश सरकारसे पैना व्यवस्था करेपरना फेन सुझाव दुलालके रहे ।

इप्पानके वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहनकुमार डाँगीसे विद्युत् विधेयक प्रतिगामी रहल ओरसे यिहिनहे गहन तरिकासे छलफल कैके सरोकारवालाके सुझावबिना पारित करे नैपरना धारणा ढरलैं । छलफलमे इप्पानके सल्लाहकार लालकृष्ण केसी प्रस्तावित विद्युत् विधेयक नेपालीहे निषेध करना मेरिक आइल कटि अब्बेक विधेयक नेपालीके लाग से फेन विदेशी कम्पनीके लाग किल नाने लागल बटैलैं । "यइसिन विधेयकसे हम्रिहिनहे हित नैकरि, बरु २०४९ के विधेयकमे चार/पाँच ठो बुँदा संसोधन कैके गैलेसे ढेर मजा हुइ ।" उपसमितिके संयोजक गोकर्ण विष्ट निजी क्षेत्रके माग पूरा हुइलेसे किल विधेयक संसद्से पारित हुइना बटैलैं । सब राजनीतिक दलके शीर्ष नेता यम्ने संशोधन प्रस्ताव ढरल स्मरण करैटि विष्ट ऊर्जा उत्पादकके बाट समोटके लगानीके सुरक्षा हुइना मेरिक किल विधेयक अइनामे ढुक्क हुइना आश्वस्त परले रहैं ।

धनकुटाके दुध किसान नौ करोड ७० लाख नैपैलैं

धनकुटा, १५ माघ । धनकुटाके छथर जोरपाटी गाउँपालिका १ मे रहल श्रीकृष्ण कृषि सहकारी संस्था नेपाल सरकार स्वामित्वके दुग्ध विकास संस्थानसे रकम भुक्तानी नैपाइल पाँच महिना हुइल बा ।

सावन १५ गतेसमके भुक्तानी पाइल संस्था उयहोर एक रुपैयाँ फेन पैले नैहो । उ संस्था दुग्ध विकास संस्थानसे एक लाख पचास हजार लिटरके करिब ८० लाख रुपैयाँसे ढेर रकम लेना बाँकी बा ।

सहकारीसे दुग्ध विकास संस्थानसे रकम नैपाइलपाछे कृषकहे पाँच महिनाके अवधिमे एक रुपैयाँ फेन भुक्तानी डेहे सेकल नैहो । अप्ने पैना रकम मग्लेसेसमेत संस्थान आनाकानी करना करल संस्थाके अध्यक्ष भरत कार्की बटैलैं । "हम्रे भुक्तानी मागके लाग विराटगरसम पुग्लि मने नैबिकल घिउ देखाके बिक्री हुइलपाछे पैसा डेना कहिके पठाइल," कार्की कलैं । पैसा समयमे भुक्तानी नैपाके कृषक यी पेसासे पलायन हुइना अवस्थामे पुग्नाके साथे सहकारीसमेत बन्द हुइना अवस्थामे पुगल कार्कीके गुनासो बा ।

धनकुटा नगरपालिका वडा नम्बर १ हिलेस्थित श्री चञ्चलादेवी बहुउद्देश्यीय दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्थाके फेन अवस्था ओस्टे बा । लम्मा समयसे भुक्तानी रोकलपाछे कृषकहे पैसा कैसिक खुवैना कना चिन्ता सहकारीहे बा । पैसा नैआइल पाँच महिना हुइल, कृषकहे कैसिक भुक्तानी डेना कना चिन्ता बा व्यवस्थापक भीम मल्ले कलैं । लम्मा समयसे पैसा नैडेकल कहिके कृषक आक्रोशित हुइल मल्ल थप्लैं ।

दुध उत्पादक कृषकके लाग दुध बिक्री एक ठो किल मुख्य आम्दानीके स्रोत हो । उ अपन सब खर्च दूध बेचके आइल आम्दानीसे करना करठ । मने दुध खरिद करना सरकारीसहित निजी कम्पनी लम्मा समयसे दुधके रकम निकासी नैकैके किसान समस्यामे परल बा पाँच महिनासे रकम नैपाके अप्नहुक्रे समस्यामे परल कृषकके गुनासो बा ।

धनकुटाके टमान कृषकके मुख्य आम्दानीके स्रोत दुध हो । व्यावसायिक पशुपालनमे लागल कृषक अब्बे व्यवसायसे पलायन हुइना अवस्थामे पुगल धनकुटा मारेकटहरेके कृषक नारद कटुवाल बटैलैं । "हम्रे सावनके १५ यहोर पैसा पैले नैहुइटि अब्बे घाँससे दानापानी सबके लाग पैसा चाहठ । दुधके पैसा नैआइठ यी पेसामे टिक्ना अवस्थ नैरहल," कटुवाल कलैं ।

लम्मा समयसे दुग्धजन्य परिकार बिक्री वितरण नैहोके गोदाममे रहल ओरसे भुक्तानी डेहे नैसेक्ना दुग्ध विकास संस्थान विराटनगर जनैले बा । दुग्ध उत्पादन ढेर संकलन हुइ लागलमने उत्पादित परिकारके बिक्री भर क्रमशः घटे लागल ओरसे भुक्तानी रोकल दुग्ध विकास संस्थान विराटनगरके प्रमुख प्रमेश्वर चौधरी बटैलैं ।

"निजी संस्थासे हम्रे मजा मूल्य डेले बटि टबेमारे अब्बे दुग्ध संकलन ढेर हुइठ मने उत्पादनके बिक्री एकडम कम बा, हम्रे कुछ दिनभित्रे सावन महिनाके भुक्तानी डेब बाँकी कहे सेक्ना अवस्था नैहो," प्रमुख चौधरी कलैं । धनकुटा जिल्लाके किल १३ लाख ५५ हजार १ सय ५६ लिटर दुधके नौ करोड ७० लाख रुपैयाँ भुक्तानी डेना बाँकी रहल दुग्ध विकास संस्थान विराटनगर जनैले बा ।

ओहोर जिल्लासे दुध लैजैना निजी डेरी उद्योगके फेन अवस्था अस्टे बा । निजी डेरीसमेत समयमे दुधके रकम भुक्तानी करे सेक्ले नैहो । सुरु सुरुमे मजे भुक्तानी डेके दुध लैजैना करल संस्थान तथा निजी डेरी गैल वर्षसे भर नियमित भुक्तानी डेहे छोरल बा । मने यी वर्ष भर अनियमित किल नैहोके पाँच महिना बिट्लेसे फेन एक पैसा भुक्तानी डेहे सेक्ले नैहो ।

धनकुटामे दैनिक करिब ३० हजार लिटर दुध संकलन हुइना करल बा । उमध्ये ७० प्रतिशत दुध जिल्ला बाहेर दुग्ध विकास संस्थान ओ निजी डेरीमार्फत निकासी हुइना करल बा ।

योजना कार्यान्वयन...

कौन रकम फ्रिज नइजैना, विल भपाई, सामाजिक लेखा परिक्षण, पाँच लाखके योजनाहे अनुगमन के कैना, भ्याट विल, प्यान विल कटना तरिका ओ कागजात मिलैना प्रक्रियाबारे जानकारी डेहल बा । कार्यक्रम वडा नम्बर ३ के वडा सदस्य किसुन लाल चौधरी अध्यक्षतामे हुइल कार्यक्रममे वडा सदस्य सकुन्तला चौधरी ओ सैतुराम चौधरी लगागत मन्तव्य व्यक्त करल रहिट ।

कार्यक्रममे स्वागत मन्तव्य वडा सचिव दयाराम चौधरी करल रहिट । तालिमके मुख्य प्रशिक्षक योजना शाखा प्रमुख सन्तोषकुमार चौधरी ओ असिस्टेन्ट सबइन्जिनियर रविशंकर चौधरी करल रहिट ।

सुदूरपश्चिममे ५...

सरकारसे २०५७ साउन २ गते मुक्त घोषणा करल रहे । ओस्टके २०६५ साल भदौ २१ गते हलियाहे मुक्त घोषणा करल रहे । मने भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालयसे आव २०७५/२०७६ मे मुक्त कमैया, हलिया ओ कमलरीहुक्नके व्यवस्थापनके लाग स्थापित जिल्ला भूमि सुधार कार्यालय हटाके मालपोत कार्यालयमे गभ्टी व्यवस्थापनके जिम्मेवारी स्थानीय तहमे हस्तान्तरण करलपाछे स्पष्ट कानुन नैहोके हालसम व्यवस्थापन हुइ नैसेकल हो ।

"लैङ्गिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

अन्तर्राष्ट्रिय

फेनसे करोट लेलैं नीतिश कुमार

काठमाडौं, १५ माघ । कौनो फेन पदसे राजीनामा डेनाके सोझे अर्थ रहठ-पदीय जिम्मेवारीसे विश्राम । मने, भारतके बिहार राज्यके मुख्यमन्त्री नीतिश कुमारके हकमे भर यी लागू नैहुइल । उहाँ राजीनामा टे डेलैं । मने, उहाँक राजीनामा पद त्यागके लाग नैकि, सत्ता समीकरण फेरके पदमे टिकके लाग रहे । टबेमारे उहाँबारे स्थापित होके बनल बा- पदके सुनिश्चितता नैहुइटसम उहाँ राजीनामा नैडेठैं ।

'एक हातमे राजीनामा ओ औरे हातमे पद' दशकौंसे बिहारके राजनीतिमे उहाँ डेखाइल बटैं ।

पाछेक २४ घण्टामे भारतके राजनीतिके केन्द्रमे बिहार आइलैं । विपक्षी गठबन्धनसँगके नाता तोडके नीतिश भाजपासँग जोरल बा कना हल्लासे बजार लेहल । नीतिशबारे स्थापित मान्यताहे उहाँ पुनः एक चो पुष्टि करले बटैं । नीतिश अँट्वार बिहान ११ बजे राज्यपालहे भेटके एक हातसे राजीनामा ओ औरेसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थनमे सरकार बनैना दाबी पेस करलैं । राजीनामा डेहल कुछ घण्टामे नवौं चो बिहारके मुख्यमन्त्रीके रूपमे उहाँ शपथ फेन लेले बटैं । बिहारमे अँट्वार बिहान ११ बजेसम राष्ट्रिय जनता दल (आरजेडी) ओ कंग्रेसके समर्थनमे उहाँ मुख्यमन्त्री रहैं । साँझ ५ बजे भाजपाके समर्थनमे मुख्यमन्त्री हुइल बटैं । मुख्यमन्त्री उहाँ बटैं, मन्त्रीहुक्रे भर फेरल बटैं ।

भाजपाके विषयमे नीतिश यीआघे कडा प्रतिक्रिया डेले रहैं, 'मृत्यु स्विकारम मने भाजपासँग नैजाइम । मने, अपन पूर्ववत् अभिव्यक्तिहे बिसरके उहाँ १७ महिनापाछे पुनः भाजपाके हात पक्रे पुगल बटैं । नीतिशके लाग ढोका बन्द होसेकल बटैटि आइल भाजपा नेताहुक्रे फेन बिहारमे पुनः उहाँक नेतृत्व स्वीकार करले बटैं । भारतमे तीन महिनापाछे लोकसभा निर्वाचन हुइल बा । बिहारमे लालु यादव ओ नीतिश कुमार सँगे रहना भाजपाके लाग कडा चुनौती रहे । नीतिशहे समर्थन डेके भाजपा बिहारमे एक बलगर शक्तिहे अपन हातमे लेले बटैं । औरेओर, नीतिशहे अलग्याके केन्द्रीय राजनीतिमे अपनविरुद्ध बन्टि गैल विपक्षी मोर्चाहे कमजोर बनैना फेन सफल हुइल बा ।

नीतिश विपक्षी इन्डिया गठबन्धनके मजबुत खम्बा रहे । उहाँक बहिर्गमनसे निश्चित रूपमे गठबन्धनहे धक्का पुगल हिन्दुस्तान दैनिकके पटनास्थित आवासीय सम्पादक विनोद बन्धु बटैठैं । औरेओर, भाजपा थप बल पाइल उहाँ बटैलैं । पाछेक राजनीतिक घटनाक्रमसे नीतिशके छवि 'पलटीमार' के बनल बा । अर्थात् पदमे बैठ्ना उहाँ गठबन्धन बदल्न समय नैलगैठैं । बिहारके पूर्वमुख्यमन्त्री लालु यादवसे विगतमे उहाँक ओइसिन छविहे 'बाँदर' सँग तुलना करले रहैं । २०१९ मे आइल लालुके राजनीतिक यात्राउप्पर आधारित पुस्तक गोपालजंग से रायसिनामे लालु भर बटैं, 'नीतिश राजनीतिके प्रारम्भसे वैचारिक रूपमे ढुलमूल बटैं । बाँदरजस्टे रूखके एक हाँगासे औरेमे उफ्रठैं ।'

२०२० के विधानसभा निर्वाचनमे नीतिश भाजपासँग गठबन्धन कैके चुनाव लरल रहैं । चुनावपाछे भाजपाके बलमे सरकार बनल । मने, दुई वर्षपाछे भाजपासँग दुर हुइलैं । मुख्यमन्त्रीसे राजीनामा डेलैं । ओ, लगत्ते लालु यादवके आरजेडी ओ कंग्रेससहितके समर्थनमे मुख्यमन्त्री रहलैं । ओकरयहोर भाजपाके कट्टर विरोधी बन्लैं । भाजपाहे आगामी लोकसभामे सत्तासे हटैना मिसनके अगुवाइमे उत्रलैं । अप्नही दौडधुप कैके विपक्षीके 'इन्डिया' गठबन्धन बनैलैं । यी विपक्षी गठबन्धनके मुख्य 'आर्टिटेक्ट' उहाँ मानजैठैं । मने, एकाएक अब्बे उहाँ अप्ने बनाइल गठबन्धनसे दुरहोके भाजपा नेतृत्वके एनडीएमे सामेल हुइल बटैं ।

नीतिश विपक्षी एकताके नेतृत्वदायी 'अनुहार' बने खोजल रहैं । विपक्षी गठबन्धनसे प्रधानमन्त्रीके दाबेदार घोषित हुइ चाहल रहैं । ओकर लाग उहाँ प्रयासरत रहैं । मने, गैल महिना दिल्लीमे हुइल बैठकमे आकस्मिक ढंगसे पश्चिम बंगालके ममता बनर्जी विपक्षी गठबन्धनसे कंग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गेहे भावी प्रधानमन्त्रीके रूपमे आगे बह्रैना प्रस्ताव कैडेलि । उहिनहे दिल्लीके मुख्यमन्त्री अरविन्द केजरीवाल समर्थन कैडेलैं । ओकरपाछे भर उहाँ अपन मुख भाजपाओर लौटलैं ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरु पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरु थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

नवजीवन अस्पताल प्रा.लि.

NAVAJEEVAN HOSPITAL PVT. LTD. Estd. 2062 DHANGADHI, KAILALI

"Patient Care is our Motto"

उपलब्ध बिशेषज्ञ सेवाहरू

१ हाड्जोर्नी तथा नसा रोग सेवा
२ स्त्री तथा प्रसुती रोग सेवा
३ नवजात शिशु तथा बालरोग सेवा
४ जनरल तथा दुरबिनबाट अप्रेशन सेवा
५ जनरल मेडिसिन (पेट, गुटु छाती) सेवा
६ फाला, सौन, कुपनरोग तथा सौन्दर्य सेवा
७ नाक, कान, घांटी रोग सेवा
८ मृगौला तथा मूत्र रोग सेवा
९ निःशुल्क आमा सुरक्षा कार्यक्रम
१० निःशुल्क क्षयरोग क्लिनिक
११ किडनी पत्थरी तथा प्रोस्टेट लेजर सर्जरी विशेषज्ञ सेवा
१२ फिजियोथेरापी सेवा
१३ डायलाइसिस सेवा
१४ मिडियो एक्स-रे सेवा
१५ निःशुल्क आमा सुरक्षा कार्यक्रम
१६ निःशुल्क क्षयरोग क्लिनिक
१७ स्वास्थ्य बिमा कार्यक्रम
१८ निःशुल्क स्कोप सेवा
१९ २४ सै घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा
२० २४ सै घण्टा फार्मेसी सेवा
२१ २४ सै घण्टा एम्बुलेन्स सेवा

उत्तरबेहडी-४, धनगढी, कैलाली, नेपाल
+977 091-521233, 521733
aspatalnavjeevan@yahoo.com
https://navajeevanaspatal.com
navajeevan.aspatal

24 hours Emergency SERVICE

कञ्चनपुरमे 'सिकलसेल एनिमिया' रोगके जोखिम

कञ्चनपुर, १५ माघ । पाछेक समय कञ्चनपुर फेन सिकलसेल एनिमिया तथा थालेसिमिया रोगके जोखिममे रहल बा । रानाथारु समुदायमे इ रोगके जोखिम डेखलपाछे जिल्ला स्वास्थ्य कार्यालयसे नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरसे एक हजार पाँच सय ५० जनहनके रगत परीक्षण करल रहे ।

ओम्ने ४६ जनहनमे सिकलसेल एनिमिया रोग डेखल बा । स्वास्थ्य कार्यालयके सिकलसेल एनिमिया तथा थालेसिमिया रोगसम्बन्धी स्रोत व्यक्ति सिद्धराज भट्टके अनुसार कञ्चनपुरके शुक्लाफाँटा नगरपालिका, बेदकोट नगरपालिका ओ भीमदत्त नगरपालिकामे परीक्षण करल मध्ये एक सय ९९ मे बाहक (ट्रेट) डेखा परल रहे ।

"बाहक (ट्रेट) डेखापरल एक सय ९९ जनहनके रगतके अन्तिम जाँच करेबर ४६ जनहहनमे सिकलसेल एनिमिया रहल पुष्टि हुइल बा", भट्ट कहलै, "ओम्ने मध्ये १२ जनहनमे गम्भीर

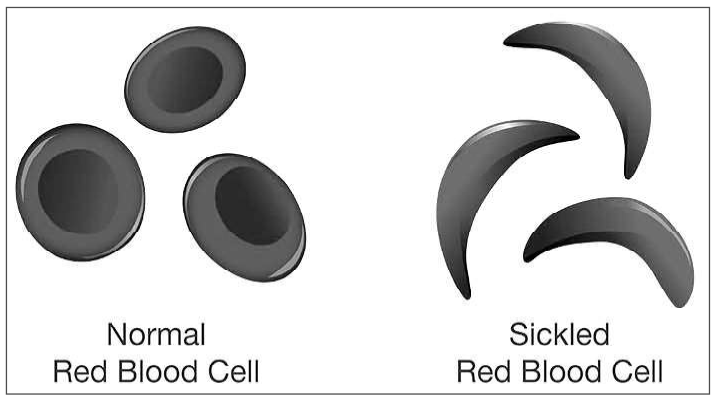

खालके रोग डेखल बा ।" ओहकान अनुसार बाहक डेखल एक सय ९९ मध्ये २२ महिला ओ २४ पुरुषमे सिकलसेल एनिमिया रोग डेखल हो । उहाँ बाहक (ट्रेट) डेखा परल महिला तथा पुरुष भोज करेबर रगत परीक्षण कैके किल करे पर्ना बटैलै ।

"बाहक (ट्रेट) डेखा परल महिला ओ पुरुष भोज करलेसे उहाँहुक्रनसे जन्मना व्यक्ति फेन रोगी जन्मठै," उहाँ कहलै, "ओहेमारे मोज कैनासे पहिले रगत परीक्षण कैके किल भोज करे पर्ना उपयुक्त रहठ् ।" हेमोग्लोबिनसँग सम्बन्धित खराबीके कारणसे हुइना समस्या विश्वमे पाँच प्रतिशतसे ढेर रहल तथ्यांक बा । उ मध्ये सबसे ढेर डेखा परल समस्या सिकलसेल एनिमिया ओ थालेसिमिया हो । नेपालमे फेन खास कैके थारु समुदायमे इ रोगके प्रकोप उच्च रहल स्वास्थ्य कार्यालय जनैले बा ।

कुछ समय आघे नेपाल सरकार, स्वास्थ्य अनुसन्धान परिषद्सँग त्रिभुवन विश्वविद्यालय ट्फल अनुसन्धान प्रयोगशालासे करल अनुसन्धानमे पश्चिम नेपालके अविवाहित थारु समुदायके महिलाके डीएनए परीक्षण करेबर १८ प्रतिशत व्यक्तिमे सिकलसेल हेटरोजाइग्स ट्रेट रहल पाइल उहाँ बटैलै । नेपालके चौधरी थारु समुदायमे इ रोग एक प्रमुख जनस्वास्थ्य समस्याके रुपमे रहल ओ समयमे यकर रोकथामके उपाय अवलम्बन करे नैसेक्लेसे अवस्था झन भयावह हुइ सेक्ना हुइल ओरसे कञ्चनपुरके चौधरी थारु समुदायके बसोबास उच्च रहल पालिकामे इ रोगके पहिचान तथा निदानके लाग स्वास्थ्य कार्यालयसे रगत परीक्षण करल जनैले बा ।

"सिकलसेल एनिमिया ओ थालेस्मिया व्यक्तिके जिनसम्बन्धी खराबीके कारणसे हुइठ्, रोगसँग सम्बन्धित कम खराबी हुइल अवस्थाहे ट्रेट कहिजाइठ्", भट्ट कहलै, "लवण्डा मनैनमे ट्रेट बा ओ ओकर भोज ट्रेट रहल लवण्डी मनैनसे हुइ कलेसे भर उहीसे जन्मना २५ प्रतिशत बच्चा सिकलसेल रोग होके जन्मना करठै ।" ट्रेट रहल व्यक्तिहे शारीरिक रुपमे खासै समस्या नैडेखजैना ओ समस्या डेखगैलेसे फेन सामान्य खालके रहना उहाँ बटैलै । सिकलसेल रोग रहलमे थकाइ लग्ना, श्वास फेर्न कर्रा हुइना, छाती, पेट, हाठगोरक कुर्कुच्चा पिरैना, आँखीमे समस्या डेखा पर्ना, जुरी अइना, उल्टी हुइना, खोकी लग्ना लक्षण डेख परना करठ् ।

सेती लडियामे जोखिमपूर्ण वारपार

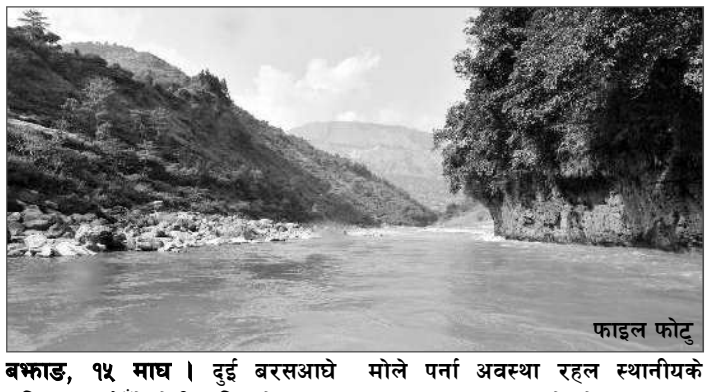
फाइल फोटु

बझाङ, १५ माघ । दुई बरसआघे अविरल वर्षासँगे सेती लडियामे आइल बाढसे केदारस्युँ गाउँपालिका ओ थलारा गाउँपालिका जोर्ना देउरास्थित झोलुंगे पुल पुहाइलपाछे स्थानीयहे खोलुवा वारपार कैना जोखिम हुइल बा ।

स्थानीय पूर्वाधार विकास आयोजना कैलालीसे झोलुंगे पुल निर्माणके लाग ठेक्का लगाइल एक बरस बिट्लेसे फेन निर्माण सुरु नैहोके स्थानीय ओइसीन समस्या भोग्टी आइल बाटै ।

हिउँदके समयमे दुई पालिकासे सेती लडियामे काठेपुल निर्माण कैटी आइल बाटै । वर्षाके समयमे भर पानीके बहाव बह्ना ओ निर्माण करल अस्थायी काठेपुल पुहके जैना हुइल ओरसे सर्वसाधारणहे लडिया वारपार कैना कठिन हुइना करल बा । देवभूमि कन्स्ट्रक्सन अमरगढीसे एक करोड ५० लाख रुपियाँमे उ पुल बनैना जिम्मा पाइल रहे मने उ पुल बनैना काम सुरु हुइ सेकल नैहो ।

झोलुंगे पुलके शिलान्यास लोक सेवा आयोगके अध्यक्ष माधवप्रसाद रेग्मी करल रहिट । हिउँदमे काठेपुलमे समेत भारी बोकके वारपार करेबर जोखिम मोले पर्ना अवस्था रहल स्थानीयके कहाइ रहल बा । उ क्षेत्रके मुख्य बजार देउरा रहल ओरसे फेन छिमेकी जिल्ला डोटी ओ थलारा गाउँपालिकाके नागरिक समेत पुल नैहोके दु:ख ओ सास्ती खेप्टी आइल बाटै ।

पुरान झोलुंगे पुल बाढसे पुहाइलपाछे केदारस्युँ गाउँपालिकामे रहल बेताल माविमे पह्टी रहल टमान गाउँके ९० से ढेर बालबालिकाहे अइना जैना कर्रा रहल बा । विद्यार्थी जोखिम मोलके सेती लडियाके काठेपुलसे ओहोरदोहोर कैना करल थलारा गाउँपालिका-१ के बासिन्दा लालबहादुर बोहरा बटैलै ।

बर्सातमे सेती लडियाके पानीके सतह बह्टी किल थलारा ओ केदारस्युँके बालबालिकाहे स्कुल जैना कर्रा हुइना उहाँके कहाइ रहल बा । पुल नैहोके उपभोग्य सामग्री किन्ना, बिरामीहे स्वास्थ्य चौकीमे लैजैना फेन कठिनाइ हुइना करल स्थानीयके कहाइ रहल बा । केदारस्युँ गाउँपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत पद्मराज उपाध्याय पुलके विषयमे घरी घरी ठेकेदारसँग समन्वय कैके काम हाली कैना अनुरोध कैलेसे फेन सफल नैहुइल बटैलै ।

पाहुनाके रोजाइमे ढिक्री ओ सिन्की

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १५ माघ । कैलाली जिल्लाके भादामे सञ्चालित थारू होमस्टे (घरबास) भ्रमणमे पुगल मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह थारू भाषामे 'महिन आकुर सिन्किक् टिना डेऊ' कहलै ।

थारू समुदायके रैथाने परिकार ढिक्री ओ सिन्की आपन मन पर्ना परिकार रहल ओरसे थपके खाइल उहाँके कहाइ बा । थारू भाषा तथा संस्कृतिसँग चिरपरिचित मुख्यमन्त्री शाहके लाग थारू परिकार कौनो नौलो चिज नैरहे ।

मने ढिक्री ओ सिन्की परिकारके स्वादके पारखी रहल ओरसे थपके खैना कर लागल उहाँके बटैलै । ढिक्री ओ सिन्की विशेष कैके टरटिहुवारके बेला बनाजैना परिकार हो । थारू होमस्टे भादामे इहे परिकार सदाबहार ओ सक्कु जनहनके रोजाइमे पर्ना करल बा । होमस्टे पुगल अधिकांश पाहुना तथा आगन्तुकके पहिल रोजाइ तथा खुराक नै ढिक्री ओ आलु सिन्कीके टिना हुइना करल बटाजाइठ् । बासीके रुपमे फेन ढिक्री ओ सिन्की खवाइना करल बा । चाउरक पिठासे बनल ढिक्री ओ गाउँमे उत्पादित आलुसे बनल सिन्कीके टिना अर्गानिक रहल भादाके होमस्टे सञ्चालक बटैठै । पहिलचो भादा गाउँ पुगल नेपाल आदिवासी जनजाति पत्रकार महासङ्घके अध्यक्ष गजुरधन राई थारू समुदायके खानाके परिकार अन्य समुदायसे छुट्टे रहल उल्लेख करलै ।

भादाके पर्यटन व्यवसायी ढिक्री ओ सिन्कीहे होमस्टेके 'ब्रान्ड' परिकारके रूपमे स्थापित करे खोजल बाटै । स्वदेशी वा विदेशी सक्कु जनहनहे नास्ताके रूपमे थारू खानाके परिकार ढिक्री ओ सिन्कीके टिना डेना करल भादाके पार्वती चौधरी बटैली । "कबुकाल अवलोकनके लाग टमान विद्यालयके विद्यार्थी फेन अइना करल बाटै", उहाँ कहली, "विद्यार्थीनसे लेके विदेशी सक्कु जनहनहे हम्रे आपन परिकार खवाइना करल बाटी ।"

यहाँके होमस्टेमे हुइटी रहल उहे अभ्यासके कारण विगतमे थारू भान्सामे किल सीमित ढिक्री ओ सिन्की अचेल व्यावसायिक खानाके परिकारके रूपमे स्थापित होसेकल बा । टमान समूहमे आबद्ध महिला इ मेरके परिकारहे मेला, महोत्सवमे लैजाके बिक्री करे लागल बाटै ।

मेला महोत्सवमे ढिक्री ओ सिन्कीके परिकार बिक्री कैके एक लाख रुपियाँसम कमाइ हुइना करल भादाके माया चौधरी बटैली । प्रतिप्लेट ८० से एक सय रुपियाँसम पर्ना करल बा ।

ढिक्री ओ सिन्की थारू समुदायके रैथाने परिकार फेन हो । इ परिकार पाहुनाके रोजाइमे परे लागलपाछे अचेल धनगढीमे सञ्चालित होटल तथा रेस्टुरेन्टसे समेत उक्त परिकार बिक्री कैटी आइल बाटै ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं, व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा राम्रो साझा प्रतिवद्धता ।
- बालश्रमको पंयोग नगरौं, नगराऔं ।
- बालश्रमको अन्त्य गरी शिक्षातर्फ उन्मुख गराऔं ।
- बालश्रम शाषण विरुद्धको अभियानमा हातेमालो गरौं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रूपमा गर्नु गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो, अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरूपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- रोजगार र श्रमिकबीच सुमधुर सम्बन्ध कायम गरौं ।
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. सौरभ सुवेदी
फिजिसियन

डाक्टर आउने मिति:
प्रत्येक दिन २४ औं घण्टा

सेवाहरू:
- पेट, मुटु तथा छातीको रोगसम्बन्धी समस्या,
- मधुमेह (डायविटिज) समस्या,
- कलेजो रोग सम्बन्धी समस्या,
- TB, हेपाटाइटिस रोगको समस्या,
- ब्लड प्रेसर तथा हृदय रोग सम्बन्धी समस्या ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरु, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

शीत-लहरके समयमे घरबाहेर खुला स्थानमे ढेर समय नबिटाइ, घरबाहेर निक्रे परलमे वा ढेर समय बिटाइ परना हुइलेसे डंडुर कपरा घाली ।